(48)

UNIVERSITY OF MUMBAI
No.UG/ 134 of 2004

CIRCULAR :-

A reference is invited to the scheme of papers of the Bachelor of Arts (B.A) degree course under the revised pattern *vide* Pamphlet No.150 and to this office Circular No.UG/102 dated 22nd February,2002 and the Principals of the affiliated colleges in Arts and the Director, Institute of Distance Education are hereby informed that the recommendation made by the Board of Studies in Hindi at its meeting held on 14th November,2003 has been approved by the Academic Council at its meeting held on 3rd January,2004 *vide* item No.4.15 and that, in accordance therewith the syllabus in the subject of Hindi Papers IV, V, VI, VII, VIII and IX at the T.Y.B.A. examination has been revised as per *Appendix* and that the same will be brought into force with effect from the academic year 2004-2005.

MUMBAI-400 032
2nd April,2004

for REGISTRAR

To,

The Principals of the Affiliated Colleges in Arts and the Director, Institute of Distance Education.

AC.4.15/03.01.2004

No.UG/ 134-A of 2004. MUMBAI-400 032, 2nd April 2004

Copy forwarded with compliments for information to :-

1. The Dean, Faculty of Arts
2. The Chairman, Board of Studies in Hindi

for REGISTRAR

Copy to :-

The Director, Board of College and University Development, the Controller of Examination, the Deputy Registrar (Eligibility and Migration Section), the Director of Students Welfare, the Personal Assistants to the Vice-Chancellor, the Pro-Vice-Chancellor, the Registrar and the Assistant Registrar, Administrative sub-center, Ratnagiri for information.

The Controller of Examinations (10 copies), Finance and Accounts Officer (2 copies),Record Section (5 copies), Publication Section (5 copies), Deputy Registrar, Enrolment, Eligibility and Migration(3 copies), Deputy Registrar, Statistical Unit (2 copies), Deputy Registrar, Accounts Section, Vidyanagari (2 copies), Deputy Registrar, Affiliation Section, (2 copies), The Director, University Computer Center (IDE Building), Vidyanagari. **Assistant Registrar, Academic Authorities Unit (2 copies) He is requested to treat this as action taken report on the concerned resolution adopted by the Academic Council referred to in the above Circular and that no separate Action Taken Report will be sent in this connection.** . Assistant Registrar, Constituent Colleges Unit (2 copies), BUCTU (1copy), Deputy Accountant, Unit V (1 copy), In-charge Centralized Computing Facility (1 copy), Receptionist (1 copy), Telephone Operator (1 copy), Secretary MUASA (1 copy), Superintendent, Post-Graduate S...

Scanned with OKEN Scanner

A.C. Item No. 4.15 dt. 3/1/2004

UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised Syllabus

And

Pattern of Questions Papers

T.Y.B.A. Hindi

(with effect from the academic year 2004-2005, 2005-2006, 2006-2007)

Scanned with OKEN Scanner

T.Y.B.A. HINDI PAPER No.IV

हिन्दी साहित्य का इतिहास

(History of Hindi Literature)

पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित विषय

१ आदिकाल : सिध्द साहित्य, नाथ साहित्य, वीरगाथा काव्य और लौकिक साहित्य का सामान्य परिचय।

२ भक्तिकाल : संतकाव्य, सूफ़ी काव्य, रामभक्तिकाव्य और कृष्णभक्ति काव्य का सामान्य परिचय।

३ रीतिकाल : रीतिबध्द काव्य, रीतिसिध्द काव्य और रीतिमुक्त काव्य की प्रमुख विशेषताएँ।

४ आधुनिककाल : (क) आधुनिक हिन्दी कविता का विकास - भारतेन्दुयुग, व्दिवेदीयुग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयीकविता, नवगीत की सामान्य विशेषताएँ।

(ख) हिन्दी-गद्य-विधाएँ :-
हिन्दी उपन्यास, कहानी, नाटक और निबंध साहित्य के क्रमिक विकास का सामान्य परिचय।

(युग-विभाजन संबंधी स्वतंत्र प्रश्न अपेक्षित नहीं है।)

(विशेष- १ इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत कुल आठ प्रश्न पूछे जाएँ, जिनमें पाँच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित होंगे। प्रत्येक प्रश्न २० अंक का होगा।

२ आठवाँ प्रश्न अनिवार्य रखा जाए। इस प्रश्न के अंतर्गत 'क' और 'ख' दो उपप्रश्न पूछे जाएँ 'क' उपप्रश्न में तीन टिप्पणियों में से एक का उत्तर अपेक्षित होगा। 'ख' उपप्रश्न में दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँ।)

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की सूची : (केवइ शैक्षणिक वर्ष २००४-०५, २००५-२००६ एवं २००६-०७ के लिए।)

१ आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने आदिकाल को किस काल के नाम से अभिहित किया है ?

२ 'पृथ्वीराज रासो' ग्रंथ के लेखक का क्या नाम है ?

Scanned with OKEN Scanner

३ 'कीर्तिलता' के रचयिता कौन है ?
४ सर्वमत से विव्दानों ने हिन्दी का प्रथम कवि किसे ठहराया है ?
५ आदिकाल में खड़ी बोली को काव्य-भाषा बनाने वाले प्रथम कवि कौन थे?
६ सरहपाद की रचना कौन-सी है ?
७ गोरखपंथी साहित्य के अनुसार आदिनाथ कौन थे ?
८ नाथ साहित्य के आरंभ कर्त्ता कौन माने गये है ?
९ 'पउम चरिउ' के रचयिता कौन है ?
१० साहित्यिक प्रबंध के रूप में प्राचीन ग्रंथ कौन-सा है ?
११ भारत में भक्ति का स्त्रोत कहाँ से प्रस्फुटित होकर उत्तर-भारत में आया था?
१२ भक्ति की दो धाराएं कौन-कौन-सी प्रवाहित हुई थीं ?
१३ कबीरदास किस काव्य-धारा के कवि है ?
१४ हिंदी में सूफी काव्य-परम्परा के श्रेष्ठ कवि कौन है ?
१५ 'पद्‌भावत' किसकी रचना है ?
१६ सगुण भक्ति धारा के दो रूप कौन-कौन से है ?
१७ 'रामचरित मानस' के रचयिता कौन है ?
१८ कृष्ण भक्ति शाखा के प्रमुख प्रतिनिधि कवि कौन है ?
१९ कवयित्री मीरा किसकी भक्त थी ?
२० 'अष्टधाप' का जहाज किस कवि को कहा गया है ?
२१ 'चदायन' के कृतिकार का नाम क्या है ?
२२ आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'उत्तरमध्यकाल' का क्या नाम दिया है ?
२३ पं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ने 'रीतिकाल काल' को किस नाम से अभिहित किया है ?
२४ रीतिकाल को काव्य की दृष्टि से कितने भागों में बाँटा गया है ?
नाम बताइये।
२५ 'रीतिसिध्द' काव्य धारा के प्रमुख कवि कौन है ?
२६ घनानंद किस काव्य धारा के कवि है ?
२७ रीतिकाल का राष्ट्र रवि किसे माना गया है ?
२८ 'शिवा-बावनी' किसकी रचना है?
२९ घनानंद के काव्य की मूल प्रेरक शक्ति कौन रही है ?
३० 'रामचन्द्रिका' के रचयिता कौन है ?
३१ कामायनी किस तरह की रचना है ?
(१) खंडकाव्य (२) महाकाव्य (३) गीतिकाव्य (४) मुक्तककाव्य।
३२ "निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल ......" किस साहित्यकार की पंक्तियां है ?
(१) मैथिलीशरण गुप्त (२) जयशंकर प्रसाद
(३) अयोध्यसिंह हरिऔध (४) भारतेन्दु।

Scanned with OKEN Scanner

३३ मैथिलीशरण गुप्त रचित किस रचना की राष्ट्रीय भावना ने हिंदी-संसार में एक नई हलचल मचा दी थी ?

(१) जयद्रथ-वध (२) रंग में भंग (३) व्दापर (४) भारत-भारती ।

३४ 'एक भारतीय आत्मा' के नाम से कौन प्रसिद्ध है?

(१) मैथिलीशरण गुप्त (२) सियारामशरण गुप्त

(३) माखनलाल चतुर्वेदी (४) रामनरेश-त्रिपाठी

३५ 'झाँसी की रानी' प्रसिद्ध कविता के रचयिता है?

(१) सुमद्राकुमारी चौहान (२) महादेवी वर्मा

(३) रामधारी सिंह दिनकर (४) अज्ञेय

३६ इनमें से कौन-सा छायावादी कवि नहीं है ?

(१) प्रसाद (२) पंत (३) निराला (४) धर्मवीर भारती ।

३७ निम्नलिखित में से कौन-सा छायावादी कवि विद्रोही और क्रांतिकारी रहा है?

(१) प्रसाद (२) पंत (३) निराला (४) महादेवी वर्मा ।

३८ 'प्रकृति का सुकुमार कवि' कौन कहलाता है ?

(१) पंत (२) निराला (३) प्रसाद (४) श्रीधर पाठक ।

३९ 'आधुनिक मीरा' किसे कहा जाता है ?

(१) महादेवी वर्मा (२) सुमद्राकुमारी चौहान

(३) कात्यायनी (४) प्रभा खेतान।

४० 'हालावाद' के प्रवर्त्तक है ?

(१) हरिवंशराय बच्चन (२) सुमित्रानंदन पंत

(३) नागार्जुन (४) भवानी प्रसाद मिश्र ।

४१ १९४३ में प्रकाशित काव्य-संग्रह 'तार सप्तक' के संपादक थे?

(१) अज्ञेय (२) नेमिचन्द्र जैन

(३) प्रभाकर माचवे (४) भारतभूषण अग्रवाल ।

४२ प्रयोगवाद को सर्वाधिक प्रभावित करने वाला दर्शन है?

(१) मार्क्सवाद (२) गांधीवाद (३) अस्तित्ववाद ।

४३ 'अंधायुग' किसकी रचना है ?

(१) लीलाधर जगूडी (२) नरेश मेहता (३) धर्मवीर भारती ।

४४ 'चाँद का मुँह टेढा है' काव्य संग्रह किसका है ?

(१) गजानन माधव मुक्तिबोध (६) केदारनाथ सिंह

(३) कुँवर नारायण ।

४५ दिनकर की कौन-सी रचना व्दितीय विश्व युध्द की विभिषिका से प्रेरित है?

(१) कुरूक्षेत्र (२) उर्वशी (३) रेणुका (४) हुँकार ।

४६ हिंदी की पहली कहानी - लेखिका कौन है ?

(१) महादेवी वर्मा (२) मन्नू भंडारी (३) बंग महिला ।

Scanned with OKEN Scanner

४७ आचार्य शुक्ल ने हिंदी का प्रथम मौलिक उपन्यास किसे माना है ?

(१) परिक्षा गुरू (२) नूतन ब्रह्मचारी (३) भाग्यवती।

४८ 'चन्द्रकांता' उपन्यास के लेखक का नाम है ?

(१) देवकीनंदन खत्री (२) गोपालराम गहमरी

(३) जी.पी. श्रीवास्तव।

४९ उपन्यास-सम्राट किसे कहा गया है ?

(१) वृन्दावन लाल वर्मा को (२) प्रेमचंद को

(३) देवकीनंदन खत्री को।

५० हिंदी का सर्वप्रथम रेडियो नाटक है ?

(१) राधा कृष्ण (२) राम भरोसे (३) झीनी झीनी बीनी चदरिया।

५१ ''यदि गद्य कवियों की कसौटी है तो निबंध गद्य की कसौटी'' यह प्रसिध्द उक्ति किसकी है ?

(१) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (२) अध्यापक पूर्ण सिंह

(३) बाबू श्यामसुंदर दास।

५२ हिंदी का सर्वश्रेष्ठ निबंधकार किसे माना जाता है ?

(१) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को (२) आंचार्य रामचन्द्र शुक्ल को

(३) आचार्य नंददुलारे वाजपेयी को।

५३ 'अतीत के चलचित्र' नामक रेखाचित्र के रचनाकार का नाम है ?

(१) श्रीराम शर्मा (२) महादेवी वर्मा (३) हजारी प्रसाद व्दिवेदी।

५४ 'कलम का सिपाही' नामक ग्रंथ में किसकी प्रमाणिक जीवनी लिखी गई है?

(१) जयशंकर प्रसाद की (२) प्रेमचंद की (३) यशपाल की।

५५ 'रिपोर्ताज' किस भाषाका शब्द है ?

(१) अंग्रजी (२) फांसीसी (३) ग्रीक।

५६ 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' नामक आत्मकथा के लेखक का नाम है ?

(१) हरिवंशराय बच्चन (२) अज्ञेय (३) यशपाल

५७ प्रथम महिला, कथाकार बंग महिला का वास्तविक नाम था?

(१) श्रीमती राजेन्द्र बाला बोस (२) चन्द्रिका बोस

(३) यशोधरा देवी।

५८ कौन-सा उपन्यास आत्मकथात्मक शैली में रचित है ?

(१) गबन (२) बाणभट्टी आत्मकथा (३) सुनीता।

५९ हिंदी में ऐतिहासिक नाटकों का सूत्रधार माना जाता है ?

(१) जयशंकर प्रसाद को (२) उपेन्द्रनाथ अश्क को

(३) हरिकृष्ण जौहर को।

६० 'नयी कहानी' का आंदोलन कब से शुरू हुआ ?

(१) १९४६ (२) १९५० (३) १९६५।

Scanned with OKEN Scanner

उपयोगी किताबें :

१ हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचन्द्र शुक्ल।
२ हिंदी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेन्द्र।
३ हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णे।
४ हिंदी साहित्य का आदिकाल - आ. हजारी प्रसाद व्दिवेदी।
५ हिंदी साहित्य की भूमिका - आ. हजारी प्रसाद व्दिवेदी।
६ हिंदी साहित्य : उद्‌भव और विकास - आ. हजारी प्रसाद व्दिवेदी।
७ हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ - डॉ. शिवकुमार शर्मा।
८ भारतीय साहित्य में भक्तिधारा - परशुराम चतुर्वेदी।
९ हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा
१० हिंदी साहित्य का उद्‌भव और विकास -रामबहेरी शुक्ल तथा डॉ. भगीरथ मिश्र।
११ रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र।
१६ हिंदी साहित्य का उत्तर मध्यकाव्य रीतिकाल : डॉ. महेन्द्रकुमार।
१३ रीतिकालीन साहित्य परिवेश और मूल्य - डॉ. इन्द्रबहादुर सिंह।
१४ रीतिकालीन काव्यभाषा - डॉ. इन्द्रबहादुर सिंह।
१५ स्वातंत्रोत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
१६ हिंदी साहित्य की प्रवृतियाँ - डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल
१७ हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. उषा यादव
१८ आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - बच्चन सिंह
१९ हिंदी नाटक का इतिहास - डॉ. गोविन्द चातक
२० गद्य की नई विधाओं का विकास - माजदा असद।
२१ हिंदी कहानी का विकास - मधुरेश।
२२ साठोत्तर हिंदी कविता - डॉ. विश्वबंधु शर्मा।
२३ साठोत्तर हिंदी कविता - डॉ. रतन कुमार पांडेय।
२४ समकालीन हिंदी कविता - ए. अरविंदाक्षन।
२५ जयशंकर प्रसाद का गीतिकाव्य - डॉ. शीतला प्रसाद दुबे।
२६ आधुनिक हिंदी कविता में काव्य चिंतन-डॉ. करूणा शंकर उपाध्याय।
२७ प्रगतिवाद प्रयोगवाद नयी कविता - डॉ. सरिता माहेश्वर।

Scanned with OKEN Scanner

T.Y.B.A. HINDI PAPER No. V

स्वातंत्रोत्तर हिंन्दी साहित्य
(Post Independent Hindi Literature)

(काव्यसंग्रह, खण्डकाव्य, उपन्यास, कहानी, नाटक - एकांकी तथा अन्य विद्याओं से संबंधित साहित्य का अध्ययन)

१ किसी आधुनिक कवि की एक रचना अथवा उसकी प्रतिनिधि कविताओं का एक संकलन/आधुनिक कवियों की कविताओं का संकलन
किसी गद्या विधा से संबंधित एक पुस्तक

निर्धारित रचनाएँ :

(क) ''आज के लोकप्रिय हिन्दी कवि : हरिवंशराय बच्चन'' सं. चन्द्रगुप्त विद्यालंकार - राजपाल एण्ड सन्ज, कश्मीरी गेट, दिल्ली।

(ख) 'ठिठुरता हुआ गणतंत्र - हरिशंकर परसाई नेशनल पब्लिशिंग हाऊस २३, दरियागंज, नयी दिल्ली - ११००२.

प्रश्न - पत्र के लिए अंकों का निर्धारण

१	व्याख्या (दोनों पुस्तकों से विकल्पसहित)	-	२०
६	आलोचनात्मक प्रश्न (दोनों पुस्तकों से विकल्पसह्हित)	-	३०
३	टिप्पणी (दोनो पुस्तकों से विकल्प सहित)	-	२०
४	(क) भावार्थ / सार किसी एक कविता / सर्ग का (ख) सामान्य प्रश्न (गद्य विद्या से संबंधित पुस्तक से)		२०
५	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (निर्धारित दोनों पाठ्य पुस्तकों से पाँच-पाँच प्रश्न)		१०

(विशेष - ''आज के लोकप्रिय हिन्दी कवि : हरिवंशराय बच्चन'' से संबंधित वस्तुनिष्ठ प्रश्न निर्धारित कविताओं के अतिरिक्त-संपादक द्वारा लिखित 'परिचय' अंश से भी पूछे जा सकते हैं)

Scanned with OKEN Scanner

पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित कविताएँ :

१	मधुशाला	:	४, २६, ५०, ८२, ८३, १२८
२	मधुबाला	:	इस पार, उस पार
३	मधुकलश	:	लहरों का निमंत्रण
४	निशा निमंत्रण	:	रात आधी हो गई है बीते दिन कब आने वाले
५	एकांत संगीत	:	मैं जीवन में कुछ कर न सका अग्निपथ! अग्निपथ! अग्निपथ!
६	सतरंगिनी	:	अँधेरे का दीपक जो बीत गई, सो बात गई
७	बंगाल का काल	:	हमने अर्थ भूख का कभी न जाना
८	खादी के फूल	:	था उचित कि गाँधीजी की निर्मम हत्या पर
९	मिलन यामिनी	:	जीवन की आपाधापी में
१०	आरती और अंगारे	:	गर्म लोहा पीट
११	बुध्द और नाचघर	:	बुध्द और नाचघर

ठिठुरता हुआ गणतंत्र

पाठ्क्रम के लिए निर्धारित अंश

१ ठिठुरता हुआ गणतंत्र
२ कर कमल हो गए
३ वह जो आदमी है न
४ हम बिहार में चुनाव लड रहे हैं
५ इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर
६ फिल्मी रोमांच
७ सबटेनेंट की कथा
८ फोन टालने की कला
९ दूसरे की महिमा ढोने वाले
१० मेरे जेबकट के नाम
११ एक काना : एक ऐंचकताना
१२ ग्रांट अभी तक नहीं आई
१३ तटस्थ
१४ बारात की वापसी

Scanned with OKEN Scanner

T.Y.B.A. HINDI PAPER No. VI

आधुनिक साहित्य का सामाजिक परिप्रेक्ष्य :
संदर्भ - हिन्दी उपन्यास साहित्य (ग्रामीण और नागर)

(८० अंक)

(SOCIAL PERSPECTIVE OF MODERN LITERATURE : REFERENCE – HINDI NOVEL (RURAL AND URBAN))

(इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत दो पक्ष क्रमशः सैद्घांतिक और व्यावहारिक होंगे। सैद्धांतिक पक्ष ३० अंको का तथा व्यावहारिक पक्ष ५० अंकों का होगा। व्यावहारिक पक्ष के अंतर्गत एक ग्रामीण बोध का हिन्दी उपन्यास और एक नगरीय बोध का उपन्यास होगा। इनके संदर्भ में ग्रामीण एवं नागर जीवन के विभिन्न रूपों और परिस्थितियों के प्रतिफलन का अध्ययन अपेक्षित है।)

सैद्धांतिक पक्ष : (३० अंक)

साहित्य और समाज :

क) समाज : परिभाषा और स्वरूप

ख) समाज के प्रमुख रूप - ग्रामीण तथा नगरीय।

ग्रामीण समाज :

च) ग्राम का स्वरूप और ग्रामीण जीवन की विशेषताएँ। गाँवों को बदलता रूप।

छ) हिंदी उपन्यास साहित्य में ग्रामीण जीवन का निरूपण।

नगरीय समाज:

ट) नगर का स्वरूप और उसकी विशेषताएँ।

ठ) ग्रामीण और नागर जीवन में अंतर (भारतीय आधार)।

ड) नागर जीवन का ग्रामीण जीवन पर प्रभाव।

ढ) हिन्दी उपन्यास साहित्य में नागर जीवन का निरूपण।

व्यावहारिक पक्ष :

सहित्य में समाज के प्रमुख रूपों तथा परिस्थितियों (क्रमशः ग्रामीण और नागर जीवन से संबंधित) के प्रतिफलन का अनुशीलन :-

Scanned with OKEN Scanner

निम्नलिखित कृतियों के संदर्भ में :-

१ अलग - अलग वैतरणी : शिवप्रसाद सिंह (विद्यार्थी संस्करण, लोकभारती प्रकाशन, १५ - ए, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद - १)

२ बूँद और समुद्र : अमृतलाल नागर (संक्षिप्त विद्यार्थी संस्करण) किताब, महल, इलाहाबाद।

प्रकल्प :

प्रश्नपत्र - VI के लिए प्रकल्प के विषय के रूप में व्यावहारिक पक्ष में निर्धारित कृतियों के अतिरिक्त आधुनिक कथा साहित्य की किसी एक पुस्तक पर प्रकल्प निर्धारित किए जाएँ।

संदर्भ ग्रंथ :

१ समाजशास्त्र के मूलाधार - शंभूरत्न त्रिपाठी

२ समाजशास्त्र - सत्यकेतु विद्यालंकार

३ समाजदर्शन की रूपरेखा - मूल लेखक - जे.एस.मेकेंजी, रूपांतरकार - डॉ.अजित कुमार सिन्हा

४ सामुदायिक समाज : रूप और चिंतन - मूल लेखक - जयप्रकाश नारायण, अनुवादक-सच्चिदानंद

५ एक भारतीय ग्राम, मूल लेखक - प्रो.श्यामाचरण दुबे, अनुवादक - डॉ.योगेश अटल

६ परिवर्तन और विकास के सांकृतिक आयाम - पूरनचंद्र जोशी

७ भारत के गाँव - मूल लेखक एम.एन.श्रीनिवास, अनुवाद - मधु बी.जोशी

८ *आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन - एम.एन.श्रीनिवास*

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

नियमित विद्यार्थियों के लिए	: समय २ १/२ घंटे	पूर्णांक - ८०
आई.डी.ई. के विद्यार्थियों के लिए	: समय ३ घंटे	पूर्णांक - १००

सूचना :(१) नियमित विद्यार्थियों (Regular Students) के लिए प्रथम **चार** प्रश्न अनिवार्य है।

(२) आई.डी.ई. के विद्यार्थियों के लिए सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(३) पाँचवाँ प्रश्न केवल आई.डी.ई. के विद्यार्थियों के लिए है।

Scanned with OKEN Scanner

१) सैद्धांतिक पक्ष से विकल्प सहित प्रश्न । (२०)

२) व्यावहारिक पक्ष (ग्रामीणबोध के उपन्यास)से विकल्प सहित प्रश्न। (२०)

३) व्यावहारिक पक्ष (नगर बोध के उपन्यास)से विकल्प सहित प्रश्न। (२०)

४) टिप्पणी - (२०)

क) ग्रामीण समाज से टिप्पणी ।

अथवा } सैद्धांतिक पक्ष

नगरीय समाज से टिप्पणी ।

ख) ग्रामीण बोध के उपन्यास से टिप्पणी ।

अथवा

नगर बोध के उपन्यास से टिप्पणी ।

५ ग्रामीण बोध के उपन्यास से प्रश्न । (२०)

अथवा

नगरबोध के उपन्यास से प्रश्न ।

Scanned with OKEN Scanner

T.Y.B.A. HINDI PAPER No. VII

सहित्य - समीक्षा, छंद एवं अलंकार
(Literary Criticism – Prosody and Rhetorics)

(क) साहित्य-समीक्षा : (८० अंक)

१ साहित्य : परिभाषा (भारतीय एवं पाश्चात्य) और स्वरूप, तत्त्व, प्रयोजन और हेतु।

२ कला : क) परिभाषा, वर्गीकरण तथा साहित्य (काव्य) के साथ संबंध।

ख) कला संबंधी निम्नलिखित वादों या धारणाओं का पाश्चात्य विद्वानों के अनुसार परिचय :-

अ) कला कला के लिए! (आ) कला जीवन के लिए।

इ) कला आत्मानुभूति के लिए। (ई) कला आनंद के लिए।

ग) काव्य कला : सर्वश्रेष्ठ कला के रूप में।

३ रस : क) रस का अर्थ, स्वरूप तथा लक्षण, रस कें भावादि अंगों का सामान्य परिचय।

ख) रस के भेद : सामान्य परिचय।

४ शब्दशक्ति : शब्दशक्ति का अर्थ और उसके प्रकार।
(अभिधा, लक्षणा तथा व्यंजना का सामान्य परिचय। प्रभेंदों की जानकारी अपेक्षित नहीं।)

५ काव्य के रूप :

क) महाकाव्य संबंधी भारतीय तथा पाश्चात्य मान्यताओं का परिचय।

ख) खंडकाव्य - लक्षण तथा विशेषताएँ।

ग) मुक्तक काव्य - परिभाषा तथा विशेषताएँ।

घ) गीति काव्य - स्वरूप तथा विशेषताएँ।

६ आधुनिक गद्य के विविध रूप :

क) नाटक के तत्व (पाश्चात्य मान्यताओं के आधार पर)

ख) कहानी तथा उपन्यास : प्रमुख तत्वों का परिचय।

ग) कहानी एवं उपन्यास विधा के मूलभूत अंतर।

Scanned with OKEN Scanner

(ख) छंद : (१० अंक)

निम्नलिखित छंदों का सामान्य परिचय (लक्षण तथा उदाहरण सहित)

१) मात्रिक - उल्लाला, चौपाई, रोला, गीतिका, हरिगीतिका, बरवै, दोहा, सोरठा, छप्पय और कुण्डलिया।

२) वर्णिक - इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वंशस्थ, भुजंगप्रयात, द्रुतविलंबित, मालिनी, मन्दाक्रांता और सवैया

(ग) अलंकार :- (१० अंक)

निम्नलिखित अलंकारों का सामान्य परिचय (लक्षण तथा उदाहरण सहित)

१ शब्दालंकार - अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, वीप्सा और पुनरूक्तिप्रकाश

२ अर्थालंकार - उपमा, व्यतिरेक, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रांतिमान, दृष्टांत, संदेह, अतिशयोक्ति, विरोधाभास और विभावना।

(सूचना : उपर्युक्त छंदों तथा अलंकारों के भेद-प्रभेदों की जानकारी अपेक्षित नहीं है)

संदर्भ ग्रंथ :

१ भारतीय साहित्यशास्त्र, भाग १,२ - पं. बलदेव उपाध्याय
६ साहित्य समीक्षा के सिध्दांत - डॉ. गोविन्द त्रिगुणायत
३ काव्य के रूप - बाबू गुलाब राय
४ सिध्दांत और अध्ययन - बाबू गुलाब राय
५ साहित्य सहचर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
६ साहित्यालोचन - डॉ. श्यामसुंदर दास
७ काव्यशास्त्र - डॉ. भगीरथ मिश्र
८ काव्यशास्त्र की रूपरेखा - डॉ. रामदत्त भारद्वाज
९ रस सिध्दांत का पुनर्विवेचन - डॉ. गणपति चंद्र गुप्त
१० काव्यांग दर्पण - डॉ. विजयबहादुर अवस्थी
११ पाश्चात्य समीक्षा दर्शन - डॉ. जगदीश चंद्र जैन
१२ पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिध्दांत और दर्शन - डॉ. तारकनाथ बाली
१३ हिन्दी काव्यशास्त्र के नए क्षितिज - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
१४ छंद प्रभाकर - श्री जगन्नाथ प्रसाद भानु
१५ रस छंद अलंकार - विश्वंभर मानव
१६ काव्य प्रदीप - राम बहोरी शुक्ल
१७ काव्यांग कौमुदी - भाग १,२ तथा ३ - पं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
१८ छंद प्रकाश - रघुनंदन शास्त्री
१९ साहित्य विवेचन - क्षेमचंद्र सुमन

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्नपत्र का नमूना :

Old and New Course

3 Hours
Total Marks - 100

सूचना -१) सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं।
६) उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न क्रमांक / उप प्रश्न क्रमांक **अवश्य** लिंखे।
३) आई. डी. ई. (पत्राचार पाठ्यक्रम) के विद्यार्थी उत्तर पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर I.D.E. **अवश्य** लिंखे।

१ साहित्य के प्रयोजन और हेतु पर विस्तार से प्रकाश डालिए। (२०)

अथवा

कला की परिभाषा देते हुए उसके प्रमुख भेदों पर प्रकाश डालिए।

२ रस के विभिन्न भेदों का सामान्य परिचय दीजिए। (२०)

अथवा

अभिधा, लक्षणा तथा व्यंजना को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

३ महाकाव्य की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए। (२०)

अथवा

उपन्यास के प्रमुख तत्वों पर प्रकाश डालिए -

४ किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिएः - (२०)

क) काव्य के तत्व
ख) कला जीवन के लिए
ग) खंड काव्य के लक्षण
घ) कहानी तथा उपन्यास में अंतर।

५ क) निम्नलिखित छंदों में से किन्हीं **दो** छंदो के लक्षण उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए - (१०)
१) उल्लाला २) रोला ३) इन्द्रवज्रा ४) सवैया

ख) निम्नलिखित अलंकारों में से किन्हीं **दो** अलंकारों के लक्षण उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए :- (१०)
अनुप्रास २) वीप्सा ३) उपमा ४) संदेह

Scanned with OKEN Scanner

T.Y.B.A. HINDI PAPER No. VIII)

भाषा-विज्ञान, हिंदी भाषा और हिंदी व्याकरण
(Linguistics, Hindi Language and Hindi Grammer)

भाषा-विज्ञान : **(३० अंक)**

१ भाषा की परिभाषा एवं उसकी विशेषताएँ।

२ भाषा की उत्पत्ति।

३ भाषा के विविध रूप।

४ भाषा-विकास (परिवर्तन शीलता) के प्रमुख कारण।

५ भाषा-विज्ञान की पृष्ठभूमि :-

क) भाषा-विज्ञान की परिभाषा और उपयोगिता।

ख) भाषा-विज्ञान की निम्नलिखित शाखाओं का सामान्य परिचय -

(१) भाषा भूगोल (२) कोश विज्ञान (३) अनुवाद विज्ञान (४) शैली विज्ञान

हिंदी भाषा : स्वरूप - विकास - **(३० अंक)**

१ प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाओं का सामान्य परिचय :

(क) वैदिक संस्कृत (ख) लौकिक संस्कृत (ग) पालि

(घ) प्राकृत (च) अपभ्रंश।

२ क) हिंदी भाषा की उत्पत्ति और उसका विकास।

ख) हिंदी की प्रमुख बोलियाँ

ब्रज, अवधी, मैथिली, भोजपुरी, खडीबोली का सामान्य परिचय।

ग) आधुनिक हिंदी के प्रमुख रूप और उनकी विशेषताएँ -

(क) राष्ट्रभाषा (ख) राजभाषा (ग) संपर्कभाषा।

३ खडी बोली हिंदी के विविध रूप :

(क) हिंदी (ख) उर्दू (ग) दक्खिनी (घ) हिंदुस्तानी।

४ हिंदी का शब्दसमूह।

५ देवनागरी लिपि : महत्व एवं विशेषताएँ।

व्याकरण : **(४० अंक)**

१ वर्णविचार - (हिंदी ध्वनियाँ) उच्चारण की दृष्टि से हिंदी वर्णों का स्वरूप और वर्गीकरण।

२ शब्द-साधन (रूपांतर) :

क) संज्ञा - संज्ञा में रूपांतर के आधार।

ख) कारक - कारक और विभक्ति, कारक के भेद।

Scanned with OKEN Scanner

ग) सर्वनाम - सर्वनामों की कारक रचना
घ) विशेषण - विशेषणों में विभिन्न आधारों पर रूपांतर
च) क्रिया- क्रिया में रूपांतर के आधार -
(१) वाच्च (२) काल (३) पुरूष (४) लिंग (५) वचन।

३ वाक्य रचना : वाक्य की परिभाषा, अर्थ और रचना की दृष्टि से वाक्यों के प्रकार।

<u>सहाय्यक पुस्तके</u> :

१ हिंदी भाषा और लिपि - डॉ. धीरेंद्र वर्मा
२ हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय
३ हिंदी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरू
४ भाषा-विज्ञान प्रवेश - डॉ. भोलानाथ तिवारी
५ भाषा-विज्ञान की भूमिका - आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
६ हिंदी व्याकरण और रचना - भोलानाथ तिवारी
७ भाषा-विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
८ भाषा-विज्ञान और हिंदी भाषा - डॉ. सुधाकर कलावडे
९ भाषा-विज्ञान (भाषिकी) - डॉ. बलदेव राज गुप्ता
१० आधुनिक भाषा-विज्ञान - डॉ. राजमणि शर्मा

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्नपत्र का नमूना :

OLD AND NEW COURSE

3 Hours
Total Marks 100

सूचना : १) सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं।
२) उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्न क्रमांक/उपप्रश्न क्रमांक अवश्य लिखें।
३) आई. डी. ई. (पत्राचार पाठ्यक्रम) के विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर I.D.E. अवश्य लिखें।

१ (क) भाषा की परिभाषा देते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **(२०)**

अथवा

भाषा विज्ञान की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।

(ख) निम्ननिखित विषय पर टिप्पणी लिखिए। **(१०)**

अनुवाद विज्ञान

अथवा

शैली विज्ञान

२ (च) प्राचीन भारतीय आर्य भाषाओं का सामान्य परिचय दीजिए। **(२०)**

अथवा

खडीबोली हिंदी के विविध रूपों की चर्चा कीजिए।

(छ) नीचे लिखे गए विषय पर टिप्पणी लिखिए :- **(१०)**

अवधी।

अथवा

देवनागरी लिपि का महत्व।

३ उच्चारण की दृष्टि से हिंदी वर्णों का वर्गीकरण कीजिए। **(२०)**

अथवा

कारक के भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

४ वाच्य एवं काल के आधार पर क्रिया में होने वाले परिवर्तनों को सोदाहरण समझाइए। **(२०)**

अथवा

वाक्य की परिभाषा देते हुए अर्थ की दृष्टी से वाक्यों के प्रकार पर प्रकाश डालिए।

Scanned with OKEN Scanner

T.Y.B.A. HINDI PAPER No.IX

आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठीभूमि
(Ideological Background of Modern Hindi Literature)

१ भारतीय नवजागरण आंदोलन और हिन्दी साहित्य पर उसका प्रभाव : (सामाजिक दृष्टी से होनेवाले वैचारिक एवं व्यावहारिक बदलावों के विशेष संदर्भ में)

(क) भारतीय नव जागरण आंदोलन (ब्रह्मसमाज, प्रार्थना समाज, रामकृष्ण-मिशन और थियोसॉफिकल सोसाइटी का सामान्य परिचय एवं मान्यताएँ।)

(ख) आर्य समाज के सामाजिक -दार्शनिक सिध्दांत एवं हिन्दी कविता और साहित्य पर उसका प्रभाव।

२ गाँधीवादी चिंतन और उसका हिन्दी कविता पर प्रभाव।

३ मार्क्सवाद और उसका हिन्दी कविता और कथा साहित्य पर प्रभाव।

४ मनोविश्लेषणवाद और हिन्दी उपन्यास साहित्य।

५ दलितचेतना एवं हिन्दी साहित्य पर उसका प्रभाव।

६ समकालीन कथा साहित्य में स्त्री विमर्श।

७ राष्ट्रीय चेतना के विकास में हिन्दी पत्र-पत्रिकाओं का योगदान।

निम्नलिखित पत्र-पत्रिकाओं का विशेष अध्ययन :-

कविवचन सुधा, प्रताप, सरस्वती, प्रभा, कर्मवीर, मतवाला और चाँद।

८ स्वातंत्र्योत्तर जन-चेतना और हिंदी पत्रकारिता।

निम्नलिखित स्वातंत्रयोत्तर पत्रिकाओं का विशेष अध्ययन :-

धर्मयुग, सारिका, साप्ताहिक हिंदुस्तान, हंस, पहल,साक्षात्कार।

(प्रकल्प : आधुनिक हिंदी साहित्य की किसी एक विधा, कृतिकार अथवा विचारधारा पर समीक्षात्मक लेखन)

विशेष : प्रकल्प कम से कम पन्द्रह पृष्ठों (लगभग ५००० (पाँच हजार) - शब्दों का) होना चाहिए।

नोट :- संदर्भ ग्रंथों की सूची एवं प्रश्न पत्र का स्वरूप पूर्ववत् रखा जाय।

Scanned with OKEN Scanner